गोपाल चन्द्र बिश्वास

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (तबला)

GOPAL CHANDRA BISWAS

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Hindustani Instrumental Music (Tabla)

त्रिपुरा के रामनगर में 22 सितंबर 1945 को जन्मे, श्री गोपाल चन्द्र बिश्वास ने तबला वादन का प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने पिता श्री अश्विनी कुमार बिश्वास से प्राप्त किया। बाद में, आपने श्री सच्चिदानंद हलदर, श्री मुन्ने खान, श्री अनिल भट्टाचार्जी और श्री नृपेन कर्माकर जैसे गुरुओं के संरक्षण में अपने कौशल को निखारा।

आपने सन् 1968 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक किया, 1965 में भातखंडे संगीत विद्यापीठ (लखनऊ) से तबला में विशारद की उपाधि अर्जित की, तदोपरांत इलाहाबाद स्थित प्रयाग संगीत समिति से तबला वादन में संगीत प्रवीण की परीक्षा उत्तीर्ण की। आपने देश–विदेश के प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में न केवल एकल बल्कि संगत कलाकार के रूप में भी बहुत सी प्रस्तुतियाँ दी है। राजकीय संगीत महाविद्यालय में नियुक्ति से पूर्व आपने संगीत वितान नाम के एक संगीत विद्यालय में भी अध्यापन किया था। आपके मार्गदर्शन में बहुत से छात्रों ने तबला वादन सीखा है।

हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (तबला) में योगदान के लिए श्री गोपाल चन्द्र बिश्वास को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 22 September 1945 in Ramnagar, Tripura, Shri Gopal Chandra Biswas took his initial training from his father Ashwini Kumar Biswas. He later received his training under the tutelage of Sachhidananda Haldar, Munne Khan, Anil Bhattacharjee, and Nripen Karmakar.

Shri Biswas graduated (B.A.) from Calcutta University in the year 1968 and completed Visharad degree in Tabla from Bhatkhande Sangeet Vidyapeeth (Lucknow) in 1965. He has successfully passed the Sangeet Praveen Tabla Examination - M.Music from Prayag Sangeet Samity of Allahabad. Shri Gopal Chandra Biswas has performed as a soloist and accompanist at many prestigious music festivals the world over. He taught at Sangeet Bitan, a school of music, before joining the Government Music College. He has guided and imparted Tabla education to a number of students.

Shri Gopal Chandra Biswas receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Hindustani instrumental music.